कनहर सिंचाई परियोजना का औचित्य (Justification)

कनहर सिंचाई परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। जनपद सोनभद्र उत्तर प्रदेश का अति पिछड़ा, सूखाग्रस्त एवं आदिवासी बाहुल्य जिला है इस जिले में सिंचाई हेतु वर्षा के अतिरिक्त कोई अन्य साधन नहीं है। परियोजना का मूल उद्देश्य दुद्धी तहसील के ग्राम अमवार में कनहर नदी पर बाँध बनाकर एकत्रित जल को सिंचाई एवं पेय जल हेतु स्थानीय नागरिकों को उपलब्ध कराना है। कनहर नदी एवं पांगन नदी के संगम स्थल ग्राम–अमवार के पास 3.24 कि0मी0 लम्बाई एवं 39.90 मीटर ऊँचा बाँध बनाकर 0.15 मिलियन एकड़ फीट जल का उपयोग करते हुये कुल 121.10 कि0मी0 मुख्य नहर एवं शाखाओं तथा 190.00 कि0मी0 राजवाहा एवं अल्पिकाओं के माध्यम से दुद्धी एवं राबर्ट्सगंज तहसील के अति पिछड़े व सूखाग्रस्त क्षेत्र के 108 ग्रामों के कुल 35467 हे0 क्षेत्र में सिंचाई एवं पेय जल की सुविधा उपलब्ध होगी।

कनहर सिंचाई परियोजना एक अन्तर्राज्यीय परियोजना है, जिससे छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड राज्य के जलाशय के निकटवर्ती क्षेत्र जनता भी लाभान्वित होगी। इस परियोजना के पूर्ण होने पर 2.92 लाख मैट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन के साथ–साथ झारखण्ड राज्य के गढ़वा जिले के भवनाथपुर प्रखण्ड में 17000 एकड़ भूमि की सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। कनहर सिंचाई परियोजना द्वारा जनपद के स्थानीय जनता को रोजगार की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। इस परियोजना के जलाशय से आदिवासी जनता को मत्स्य पालन के भी अवसर प्राप्त होगी, जिससे मत्स्य उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा एवं वृक्षों के अवैध कटान में भी कमी होगी। जिससे पर्यावर्णीय संतुलन बनाये रखने में मदद होगी।

कनहर सिंचाई परियोजना सोनभद्र जिले हेतु वरदान स्वरूप है। इस परियोजना की पूर्ण होने से इस जिले के पिछड़े, सूखाग्रस्त क्षेत्रों एवं आदिवासी क्षेत्र का सर्वांगिण विकास सुनिश्चित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
कनहर निर्माण खण्ड–तृतीय
पिपरी–सोनभद्र

Scanned by CamScanner